

रॉबर्ट वानॉय , प्रमुख भविष्यवक्ता, व्याख्यान 18

प्रभु का सेवक थीम (ईसा 53) जारी

यशायाह 53:4 मसीह का उपचार मंत्रालय

हमने अभी-अभी यशायाह 53 पद 4 को समाप्त किया है: "निश्चय उस ने हमारे दुःख सह लिए, हमारे दुःख सह लिए।" हमने उसके अनुवाद पर चर्चा की और अधिक ठीक से समझा कि यह ईसा मसीह के उपचार मंत्रालय का संदर्भ है। फिर इन चंगाईयों के बावजूद, जिन लोगों ने उसके चमत्कार देखे, वे समझ नहीं पाए कि वह कौन था; जब उसे क्रूस पर चढ़ाया गया तो हमने उसे त्रस्त, ईश्वर से त्रस्त और पीड़ित माना।

यशायाह 53:5 उसे कष्ट क्यों हुआ आइए श्लोक 5 पर चलते हैं जो स्पष्टीकरण देता है। यहां इस बात का स्पष्टीकरण दिया गया है कि उसे क्यों कष्ट सहना पड़ा, उसे क्यों पीड़ा हुई, उसे क्यों पीटा गया। "वह हमारे अपराधों के कारण घायल हुआ था। वह हमारे अधर्म के कामों के लिये दण्डित हुआ। हमारी शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गए।" श्लोक पाँच इस प्रश्न का उत्तर है कि यह क्यों पीड़ित था और उसने क्यों कष्ट सहा।

मेरे पास श्लोक पाँच में प्रायश्चित का वर्णन है। 1 पतरस 2:24 इसे मसीह के प्रायश्चित कार्य के रूप में संदर्भित करता है। तो श्लोक पाँच स्थानापन्न प्रायश्चित का विचार प्रस्तुत करता है, और आपको इस एक श्लोक में उस विचार के चार समानांतर कथन शामिल मिलते हैं। "वह हमारे अपराधों के लिए घायल किया गया था, वह हमारे अधर्म के लिए घायल किया गया था, हमारी शांति की सजा उस पर थी और उसकी मार से हम ठीक हो गए।" वे चार समानांतर रेखाएँ प्रतिस्थापनात्मक प्रायश्चित का विचार प्रस्तुत करती हैं।

यशायाह 53:6 स्थानापन्न प्रायश्चित जो श्लोक छह में आता है, "हम सब भेड़ों के समान भटक गए हैं; हम ने सब को उसकी अपनी चाल की ओर मोड़ दिया है, और यहोवा ने हम सभी के अधर्म का भार उस पर डाल दिया है।" यह संभवतया उस परिच्छेद का सबसे परिचित छंद है जहां

स्थानापन्न प्रायश्चित का यह विचार जारी है, और यह स्पष्ट किया गया है कि हमारे अधर्मों का दोष मसीह पर लगाया गया था। “यहोवा ने हम सब के अधर्म का दोष उस पर डाल दिया है।” इसलिए श्लोक पाँच और छह स्थानापन्न प्रायश्चित

सिखाते हैं। यशायाह 53:7 इस्राएल नहीं, श्लोक सात, “उस पर अन्धेर किया गया, और उसे दुःख दिया गया, तौभी उस ने अपना मुंह न खोला। वह मेमे के समान वध के लिये लाया जाता है; और जैसे भेड़ ऊन ऊन कतरने के समय चुप रहती है, वैसे ही उस ने भी अपना मुंह न खोला। आपका विचार वैसा ही है जैसा यशायाह 50 श्लोक 6 के पिछले अंश में है: “मैं ने मारनेवालों को अपनी पीठ दी, और बाल नोचनेवालों को अपने गाल दिए।” यह स्वैच्छिक समर्पण है. यहां फिर संकेत है कि इन आयतों में जिसका वर्णन है वह राष्ट्र इसराइल नहीं है. अब आप उस मुद्दे पर वापस आते हैं कि नौकर कौन है? क्या यह इजराइल है, या यह इजराइल से अलग कोई व्यक्ति है? जाहिर है, यह बात इजराइल पर लागू नहीं होती। “वह सताया और पीड़ित हुआ, तौभी उस ने अपना मुंह न खोला। वह मेमे के समान वध के लिये लाया जाता है; जैसा भेड़ ऊन कतरने वालों के साम्हने गूंगी रहती है, वैसे ही उस ने भी अपना मुंह न खोला। यह कथन निर्वासन में इजराइल की अनैच्छिक पीड़ा के विपरीत है। यशायाह के पिछले अध्यायों में आपको इजराइल की शिकायतें मिलती हैं जो शायद ही इस कविता के मूक विनम्रता कथन से मेल खाती हों।

यशायाह 53:8 उसकी मृत्यु की निराशा श्लोक आठ उसकी मृत्यु की प्रतीत होने वाली निराशा की बात करता है: “वह बन्दीगृह से और न्याय से उठा लिया गया; उसकी पीढ़ियों का वर्णन कौन करेगा? क्योंकि वह जीवितों की भूमि से काट दिया गया। मेरी प्रजा के अपराध के कारण वह दुःखी हुआ।” उनकी मृत्यु की स्पष्ट निराशा इस आलंकारिक प्रश्न में दिखाई देती है: “उनकी पीढ़ियों की घोषणा कौन करेगा?” वह युवावस्था में ही मर गया; उसका कोई वंशज और कोई वंशावली नहीं थी। शिष्यों का एक छोटा समूह था जो उनके मंत्रालय के समय उनके साथ था, लेकिन उनकी मृत्यु के समय उन सभी ने उन्हें छोड़ दिया। और “वह जीवितों की भूमि से नाश किया गया।” यह निराशाजनक लगता है. “वह बन्दीगृह से निकाला गया, न्याय से उसकी पीढ़ी का वर्णन कौन

करेगा? वह जीवित भूमि से अलग हो गया है।" एनआईवी कहता है, "उनके वंशजों के बारे में कौन बोल सकता है।" मुझे लगता है कि मुद्दा यह है कि यहां एक व्यक्ति को मौत की सज़ा दी गई है और उसका कोई वंशज नहीं है। ऐसा लगता है कि यह अंत है.

फिर अंतिम वाक्यांश में प्रश्न पूछा जाता है: क्यों? ऐसा क्यों हुआ? अंतिम वाक्यांश पुनः प्रतिस्थापनात्मक प्रायश्चित के साथ उत्तर देता है। यह "मेरे लोगों के अपराध के कारण वह त्रस्त हुआ।"

यशायाह 53:9 दुष्ट पुरुषों (पीएल) और एक अमीर आदमी (एसजी) के साथ कब्र सौंपी गई कई यहूदी लोग शायद इन छंदों में अपने पूरे इतिहास को किसी न किसी प्रकार के उत्पीड़न और यहूदी-विरोधी कार्यों में से एक के रूप में देखेंगे। उन्हें हर तरह के दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ा। आइये श्लोक नौ पर चलते हैं। किंग जेम्स के श्लोक नौ में, पहला वाक्यांश, पढ़ता है, "और उसने अपनी मृत्यु में दुष्टों और अमीरों के साथ अपनी कब्र बनाई।" अपने उद्धरण, पृष्ठ 32, फिर से देखें। मैंने MacRae से कुछ और अनुच्छेद लिए हैं। उनके पास श्लोक नौ की एक बहुत ही दिलचस्प चर्चा है जो मुझे लगता है कि वास्तव में उस बिंदु को समझने या सामने लाने में मदद करती है जो श्लोक नौ में मसीह के कार्य से संबंधित बताया जा रहा है। "पद्य नौ का पहला भाग एक असामान्य परिस्थिति की एक उल्लेखनीय भविष्यवाणी है जो ईसा मसीह के सूली पर चढ़ने के संबंध में घटित होगी। यहां किंग जेम्स संस्करण का अनुवाद कुछ हद तक गलत है। जब शब्दों का सटीक अनुवाद किया जाता है, तो मसीह की मृत्यु के समय जो हुआ उससे उनका संबंध अधिक स्पष्ट हो जाता है। यह पहले खंड के लिए विशेष रूप से सच है। यहां किंग जेम्स संस्करण में लिखा है, 'उसने अपनी कब्र बनाई...' वह कब्र होनी चाहिए, 'दुष्टों के साथ।' हालाँकि, प्रयुक्त क्रिया को सामान्यतः 'बनाओ' के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है। इसका सबसे आम अनुवाद 'देना' है। यह *नातान* एक बहुत ही सामान्य हिब्रू शब्द है। इसका सबसे आम अनुवाद 'देना' है; इसका उपयोग अक्सर नियुक्ति या नियुक्ति के लिए किया जाता है। जैसा कि किंग जेम्स संस्करण में प्रस्तुत किया गया है, ऐसा लगता है जैसे नौकर ने खुद ही अपनी कब्र बनाई हो। तो यह कहता है, "उसने अपनी कब्र दुष्टों के साथ बनाई।" दरअसल यह मुहावरा अवैयक्तिक है. यह कई भाषाओं में आम उपयोग है लेकिन आमतौर

पर अंग्रेजी में इस तरह व्यक्त नहीं किया जाता है। हमारा मुहावरा होगा 'उन्होंने उसकी कब्र आवंटित कर दी' या 'उसकी कब्र आवंटित कर दी गई।' 'उसने अपनी कब्र दुष्टों के साथ बनाई' में 'दुष्ट' शब्द का अनुवाद किया गया है, किंग जेम्स में 'दुष्ट' शब्द का अनुवाद बहुवचन में है लेकिन इसमें कोई लेख नहीं है। वह हिब्रू में है; यह बहुवचन में है लेकिन इसमें कोई लेख नहीं है। यह अपने बहुवचन रूप में *resha'im* है/ इसका अनुवाद 'दुष्ट लोगों' के रूप में करना और पूरे खंड का अनुवाद करना अधिक सटीक है 'उसकी कब्र दुष्ट लोगों के साथ सौंपी गई थी।'

“ आप उस रास्ते को देखते हैं जो बहता है। चूँकि यीशु को दो चोरों के बीच सूली पर चढ़ाया गया था, इसलिए स्वाभाविक रूप से यह उम्मीद की जाएगी कि उन्हें उनके साथ दफनाया जाएगा। रोमन रिवाज था कि या तो दुष्टों को बिना दफन छोड़ दिया जाए या किसी अशुद्ध स्थान पर एक समूह को एक साथ दफनाकर उनका अपमान किया जाए। किंग जेम्स संस्करण में, कविता जारी है 'और उसकी मृत्यु में अमीर के साथ।' 'और' अनुवादित संयोजन का अर्थ अक्सर 'लेकिन,' या 'अभी तक' होता है। और अक्सर किंग जेम्स संस्करण में इसका अनुवाद किया जाता है। विचार को 'और' द्वारा व्यक्त किया जा सकता है लेकिन यदि शब्द का अनुवाद 'लेकिन' किया जाए तो यह अधिक स्पष्ट रूप से सामने आता है। किंग जेम्स संस्करण में 'अमीर' शब्द का अनुवाद एकवचन में किया गया है और इसमें कोई लेख नहीं है। इसका अधिक सटीक अनुवाद 'एक अमीर आदमी' के रूप में किया जाएगा। यह एक सामान्य उम्मीद थी कि यीशु के शरीर को उन दुष्ट लोगों के साथ दफनाया जाएगा जो उसके बगल में क्रूस पर चढ़ाए गए थे, फिर भी उसके शरीर को उनके साथ दफनाने के बजाय, एक अमीर आदमी की कब्र में रखा गया था। यह कुछ ऐसा है जो पोंटियस पीलातस (मैथ्यू 27:57-60) को एक अमीर आदमी की अपील के परिणाम के अलावा घटित नहीं हो सकता था।

जब श्लोक का सटीक अनुवाद किया जाता है तो यह देखना आसान होता है कि यह भविष्यवाणी ईसा मसीह की मृत्यु के संबंध में बिल्कुल पूरी हुई थी। लेकिन आप देखते हैं कि इसका बेहतर अनुवाद किया गया है जैसा कि मैकरे ने सुझाव दिया है "उसकी कब्र दुष्ट लोगों के साथ सौंपी गई थी, लेकिन उसकी मृत्यु में अमीर आदमी के साथ।"

MacRae इन अगले दो पैराग्राफों में जारी है। "जो व्याख्याकार यशायाह 53 को मसीह के बलिदान के अलावा किसी अन्य चीज़ के संदर्भ में लेना चाहते हैं, उन्हें 'अमीर आदमी' शब्दों में एक

बड़ी बाधा मिलती है। वे कहते हैं कि इस संदर्भ में उनका कोई मतलब नहीं है और इसके स्थान पर किसी अन्य शब्द जैसे 'दुष्टकर्मी' का सुझाव देते हैं। फिर भी सभी पांडुलिपियाँ 'एक अमीर आदमी' पढ़ने पर सहमत हैं। बहुवचन में उन दुष्टों का संदर्भ आता है, जिनके साथ वह मारा गया था, इसके बाद 'एक अमीर आदमी' के लिए शब्द का एकवचन आता है। मृत सागर स्क्रॉल में पाई गई यशायाह की पूरी प्रति में, 'एक अमीर आदमी' के लिए हिब्रू शब्द पहले बहुवचन में लिखा गया था, और फिर बहुवचन अंत मिटा दिया गया था। आप इसे पांडुलिपि पर देख सकते हैं। अमेरिकन स्कूल ऑफ ओरिएंटल रिसर्च के बुलेटिन में येल के प्रोफेसर मिलर बरोज़ ने बताया कि यह कितनी आसानी से हो सकता है। जाहिर तौर पर लेखक ने 'दुष्ट लोगों' के लिए पूर्ववर्ती बहुवचन शब्द के प्रभाव में सबसे पहले इस शब्द को बहुवचन में लिखा था। और फिर मुंशी ने देखा कि जिस पांडुलिपि से इसे कॉपी किया गया था उसमें एकवचन में 'अमीर आदमी' लिखा था। और इसलिए बहुवचन मिटा दिया। इस प्रकार मृत सागर स्क्रॉल 'बुराई करने वालों' के बजाय 'एक अमीर आदमी' पढ़ने की सटीकता का अतिरिक्त सबूत प्रदान करते हैं। इसे 'अकार्बनिक भविष्यवाणी' कहा जा सकता है।"

अकार्बनिक भविष्यवाणी      मैकरे "अकार्बनिक भविष्यवाणी" के बारे में बात करते हैं। अब इससे उनका तात्पर्य यह है: एक "जैविक भविष्यवाणी" वह है जो भविष्यवाणी करती है कि भगवान अपने महान उद्देश्यों को कैसे पूरा करेंगे। एक "अकार्बनिक भविष्यवाणी" एक आकस्मिक विशेषता की भविष्यवाणी है जो सीधे तौर पर किसी दैवीय उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतीत नहीं होती है, बल्कि केवल एक प्रमाण के रूप में कार्य करती है कि जो घटित होता है वह वास्तव में वही घटना है जिसकी भविष्यवाणी की गई है। एक अमीर आदमी की कब्र में दफनाने से पापी मानवता के अपराध को दफनाने में नौकर की उपलब्धि नहीं बढ़ेगी। यह एक आकस्मिक बिंदु है, और जहां तक मसीह के प्रायश्चित्त कार्य का संबंध है, इसका अपने आप में कोई महत्व नहीं है। यह एक आकस्मिक बिंदु है जिसका उल्लेख 700 साल पहले किया गया था जो इस विशेष निष्पादन की ओर इशारा करता है जैसा कि यशायाह 53 में भविष्यवाणी की गई थी। भगवान की भविष्यवाणी में, यह तथ्य कि यीशु को एक अच्छी नई कब्र में दफनाया गया था, उसके बारे में ठोस सबूत उपलब्ध

कराने का एक दिव्य साधन था जी उठने। यदि उसके शरीर को किसी अपराधी की कब्र में डाल दिया गया होता, तो स्थिति काफी भिन्न होती। खाली कब्र का तथ्य पुनरुत्थान के महान प्रमाणों में से एक है। तो फिर, यह एक आकस्मिक बात है कि ईसा मसीह को एक अमीर आदमी की कब्र में दफनाया गया था, और फिर भी जिस अद्भुत तरीके से यह भविष्यवाणी सटीक रूप से भविष्यवाणी करती है कि ईसा मसीह की मृत्यु के संबंध में क्या हुआ था, वह इस तथ्य की एक महत्वपूर्ण पुष्टि है कि पूर्ति होनी है ईसा मसीह की मृत्यु और दफ़न के साथ मिला।

श्लोक नौ के पहले भाग के संबंध में मैकरे की टिप्पणियाँ यह समझने में सहायक हैं कि क्या मतलब है और यह नए नियम से कैसे संबंधित है। मैकरे कहते हैं, “जैसा कि किंग जेम्स में प्रस्तुत किया गया है, ऐसा लगता है जैसे नौकर ने खुद ही अपनी कब्र बनाई हो। दरअसल, यह वाक्यांश अवैयक्तिक है; यह प्रयोग कई भाषाओं में पाया जाता है, लेकिन आमतौर पर अंग्रेजी में इस तरह व्यक्त नहीं किया जाता है। हमारा मुहावरा होगा 'उन्होंने उसकी कब्र तय कर दी।' दूसरे शब्दों में, जिस तरह से अंग्रेजी में इसका उपयोग किया जाता है, उसे अच्छी तरह से समझने के लिए, आपको इसे लगभग निष्क्रिय रूप में रखना होगा: 'उसकी कब्र सौंपी गई थी।'”

बहुवचन विचार अधिक महत्वपूर्ण है। इसमें हिब्रू भाषा में कोई लेख नहीं है। इसलिए उसकी कब्र को "दुष्ट लोगों" के साथ नियुक्त किया गया था। उसकी कब्र को दुष्ट लोगों के साथ नियुक्त किया गया था क्योंकि उसे दो अन्य अपराधियों के साथ सूली पर चढ़ाया गया था। जहां तक स्थिति की बात है, आप उम्मीद करेंगे कि उसे दुष्ट लोगों के साथ दफनाया जाएगा। "उसकी कब्र दुष्ट लोगों के साथ बनाई गई थी, परन्तु उसकी मृत्यु के समय धनवान व्यक्ति के साथ।" यह एकवचन में बदल जाता है। वास्तव में आपके पास दोनों में से कोई भी लेख नहीं है।

आइए श्लोक नौ के अंतिम भाग पर चलते हैं। श्लोक नौ का अंतिम वाक्यांश वास्तव में श्लोक नौ की तुलना में श्लोक दस के साथ अधिक मेल खाता है। जिस शब्द का अनुवाद "क्योंकि" किया गया है वह हिब्रू शब्द 'अल' है, जिसका वास्तव में "तथ्य के संबंध में" या "के संबंध में" विचार है। तो, "इस तथ्य के बारे में" कि उसने कोई हिंसा नहीं की थी, वहां के राजा जेम्स कहते हैं "क्योंकि", लेकिन इसका बेहतर अनुवाद "इस तथ्य के बारे में है कि उसने कोई हिंसा नहीं की थी, न ही उसके मुंह से कोई छल था, लेकिन इससे उसे खुशी हुई" हे प्रभु, उसे चोट पहुँचाओ।”

अब, जब आप पढ़ते हैं, "प्रभु को उसे चोट पहुँचाने से प्रसन्नता हुई," तो मुझे लगता है कि "प्रसन्न" शब्द वह शब्द है जो अग्रसमन्वय के रूप में ईश्वर के उद्देश्य को बताता है। उस अर्थ में यह ईश्वर की प्रसन्नता थी। यह वही है जो उसने जगत की उत्पत्ति से पहले ठहराया था। इस प्रकार मोक्ष की प्राप्ति होगी। "परन्तु उस ने कुछ भी बुरा नहीं किया; उसके मुंह से न तो उपद्रव या छल की कोई बात निकली; फिर भी, यह प्रभु को प्रसन्न हुआ - यह प्रभु का उद्देश्य था - उसे चोट पहुँचाना। उसने उसे दुःख में डाल दिया था।"

वह शब्द "दुःख" वही शब्द है जो श्लोक चार में आता है: "निश्चित रूप से उसने हमारे दुःखों को सहन कर लिया है।" यह शारीरिक पीड़ा का विचार है। "उसने उसे दुःख में डाल दिया है।" आप उस वाक्यांश पर ध्यान दें, "यह प्रभु को प्रसन्न हुआ कि उसने उसे चोट पहुँचाई," कविता के अंत में आता है। "जब तू उसके प्राण को पापबलि करके चढ़ाएगा, तब वह वंश देखेगा, वह बहुत दिन तक जीवित रहेगा, और उसके हाथ से यहोवा की इच्छा पूरी होगी।" तो आपको वह शब्द "खुशी" फिर से मिलता है। परमेश्वर ने अपने पुत्र को क्रूस पर मरने के लिए दिया ताकि उसकी मृत्यु से उसका उद्देश्य पूरा हो सके। "प्रभु की प्रसन्नता" का अर्थ है कि उसके उद्देश्य उसके हाथ में सफल होंगे। अंग्रेजी में "खुशी" शब्द का अर्थ यह है कि इसमें किसी प्रकार का आनंद था। जोर इस बात पर नहीं है; यह ईश्वर के शाश्वत उद्देश्यों, उसकी अच्छी खुशी का विचार है।

यशायाह 53:10 पाप बलि श्लोक दस के मध्य में यहाँ एक दिलचस्प अनुवाद प्रश्न है। यह अर्थ को बहुत अधिक प्रभावित नहीं करता है, लेकिन आइए इस पर गौर करें। आइए किंग जेम्स, एनआईवी, न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड और बर्कले संस्करणों की तुलना करें। उदाहरण के लिए, राजा जेम्स कहते हैं, "जब आप उसकी आत्मा को पाप के लिए बलिदान कर देंगे।" एनआईवी कहता है, "और यद्यपि प्रभु उसके जीवन को दोषबलि बनाता है।" एनएएसवी का कहना है, "यदि वह स्वयं को अपराध-बलि के रूप में प्रस्तुत करेगा।" बर्कले कहते हैं, "जब उसकी आत्मा पाप के लिए बलि बनेगी।" अनुवाद में अधिकांशतः यही मतभेद उत्पन्न होते हैं। प्रश्न यह है कि विषय क्या है? आपको इसे डालना है। आप एनआईवी में देखते हैं, "यद्यपि प्रभु उसके जीवन को दोषबलि बनाता है।" इसलिए यदि यह दूसरा पुल्लिंग एकवचन है, तो आप मान लेते हैं कि "भगवान" विषय है। किंग

जेम्स कहते हैं, "जब तू," दूसरा पुल्लिंग एकवचन। प्रभु, "जब तू उसके प्राण को पाप के लिये बलिदान करेगा," दास का जीवन पाप के लिये बलिदान होगा। लेकिन अगर यह तीसरा स्त्रीलिंग एकवचन है - तो देखिए आप हिब्रू में दूसरे पुल्लिंग, तीसरे स्त्रीलिंग एकवचन रूप में अंतर नहीं कर सकते; वे समान हैं। अतः यह तीसरा स्त्रीलिंग एकवचन भी हो सकता है। यदि यह तीसरा स्त्रीलिंग एकवचन है, तो हिब्रू शब्द *नेफेश* विषय है। देखिए, बर्कले की तरह, "जब उसकी आत्मा," आत्मा स्त्रैण है। *नेफेश* स्त्रीलिंग है। इसलिए यदि आप इस क्रिया को तीसरी स्त्रीलिंग के रूप में लेते हैं, तो *नेफेश*, या आत्मा, विषय है। "और जब उसका प्राण पाप के लिये बलिदान ठहरेगा।" सवाल यह है कि, आप *नेफेश*/आत्मा/जीवन को विषय के रूप में लेते हैं या आप इसे दूसरे पुल्लिंग एकवचन के रूप में लेते हैं और विषय के रूप में "भगवान", तू भगवान को रखते हैं। मुझे नहीं लगता कि निष्कर्ष बिल्कुल अलग है, आपने अभी भी वैकल्पिक प्रायश्चित को स्पष्ट रूप से सिखाया है, चाहे आप इसे कैसे भी प्रस्तुत करें। किंग जेम्स और एनआईवी का दूसरा मर्दाना विलक्षण दृष्टिकोण निश्चित रूप से संभव है। लेकिन यहां उस अनुवाद के बारे में वास्तविक प्रश्न है, इससे संदर्भ में विषय में तीसरे से दूसरे व्यक्ति में परिवर्तन होता है। आप देखिये "प्रभु को यह अच्छा लगा कि उसने उसे कुचला। उसने उसे शोक में डाल दिया है।" क्या आप फिर तीसरे से दूसरे व्यक्ति में बदलने जा रहे हैं? यदि आप तीसरे स्त्रीलिंग एकवचन को अपूर्ण मानते हैं तो आपके पास दूसरे व्यक्ति के विषय में वह परिवर्तन नहीं है। जब आप वैसे ही आगे बढ़ते रहेंगे जैसे कि, "यह प्रभु को प्रसन्न हुआ कि उसने उसे चोट पहुंचाई। उसने उसे दुःख में डाल दिया है। जब उसकी आत्मा पाप के लिए बलिदान होगी, तो वह अपने वंश को अपने दिनों को लम्बा करते हुए देखेगा। प्रभु की प्रसन्नता उसके नाम से समृद्ध होगी।" तो यह वास्तव में अस्पष्टता का एक दिलचस्प सवाल है जो मौखिक रूप के कारण उठता है जहां तक सवाल है कि विषय क्या है। मैं "उसकी आत्मा" को विषय के रूप में पसंद करूंगा, या "उसके जीवन" को। इससे एक और दिलचस्प मामला सामने आता है।

आइए बीडीबी हिब्रू लेक्सिकॉन के ' *अशम* ', "पापबलि" के अंतर्गत एक पैराग्राफ लें। शब्दकोष में टिप्पणी की गई है, "ऐसा लगता है कि यह पेशकश भगवान या मनुष्य के खिलाफ अपराधों तक ही सीमित है जिसका अनुमान लगाया जा सकता है और इसलिए मुआवजे से कवर किया जा सकता है। एक साधारण अपराध-बलि एक मेढ़े की थी, साथ में क्षतिपूर्ति और उसके मूल्य



का पाँचवाँ भाग का जुर्माना भी था।” और फिर मैं वह सब नहीं पढ़ूंगा, लेकिन आखिरी पंक्ति पर ध्यान दूंगा। “मसीहानिक सेवक स्वयं को लोगों के पापों के मुआवजे के रूप में पेश करता है, उनके स्थानापन्न के रूप में उनके लिए हस्तक्षेप करता है / यशायाह 53:10।” यह आपके उपपृष्ठ में इकतीसवाँ पृष्ठ है।

मसीहाई सेवक स्वयं को *अशम*, पापबलि के रूप में प्रस्तुत करता है। लैव्यव्यवस्था 17:11 के संबंध पर भी ध्यान दें। लैव्यव्यवस्था 17:11 लैव्यव्यवस्था में एक प्रमुख पद है। यह कहता है, "क्योंकि शरीर का जीवन खून में है," और यही शब्द *नेफेश* है। वह शब्द "जीवन।" मांस का जीवन खून में है। मैंने इसे तुम्हारे प्राणों के लिए प्रायश्चित्त करने के लिए वेदी पर तुम्हें दिया है: क्योंकि यह वह लहू है जो आत्मा के लिए प्रायश्चित्त करता है।" लैव्यव्यवस्था 17:11 में *नेफेश* शब्द एकवचन या बहुवचन में तीन बार आता है। और यहां यशायाह 53 में आप देखते हैं कि यह *नेफेशो* है, "उसका जीवन" एक '*आशम*', एक पाप बलि होगा। अतः इस सेवक का जीवन पापबलि है। मैं कहूंगा कि यह अध्याय में प्रतिस्थापनात्मक प्रायश्चित्त के सबसे स्पष्ट बयानों में से एक है। आपके पास अध्याय में उनमें से कई हैं, लेकिन वह एक सशक्त है: *उसका* जीवन, उसका *नेफेश*, एक '*आशम*', एक पाप बलि है।

अगला वाक्यांश है "वह एक बीज देखेगा।" वह नौकर के बलिदान के परिणाम के बारे में एक बयान देता है। श्लोक 8 में कहा गया है, "वह रहने की भूमि से अलग कर दिया गया। उसकी पीढ़ी की घोषणा कौन करेगा? उनका कोई वंशज नहीं था।" फिर भी यहाँ यह कहा गया है कि वह जो भेंट देगा उसके परिणामस्वरूप, "वह अपना वंश देखेगा।" वह अपने दिन बढ़ाएगा।" तो उसकी एक वंशावली होगी। ऐसा लगता है कि उसके दिन कट गए हैं, लेकिन यहां यह कहा गया है कि वह अपने दिन बढ़ाएगा। मुझे लगता है कि यहां आपको पुनरुत्थान का संकेत है। भले ही उसे मार डाला गया हो, वह फिर से जीवित हो जाएगा। तो वह अपना बीज देखेगा; एक भावी पीढ़ी होगी। अब निःसंदेह, मुझे लगता है कि वह मुक्ति प्राप्त लोगों की बात कर रहा है, वे लोग जो उसके द्वारा किए गए कार्य से लाभान्वित हुए थे, वे लोग जिन्होंने उसके कार्य पर अपना भरोसा रखा था।

यशायाह 53:11 वस्तुनिष्ठ संबंधकारक: उसके बारे में ज्ञान

अन्य ग्यारह. “वह अपनी आत्मा का कष्ट देखेगा और संतुष्ट होगा। मेरा धर्मी दास अपने ज्ञान से बहुतों को धर्मी ठहराएगा, और उनका अधर्म सहन करेगा।” आप उस दूसरे वाक्यांश के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, “मेरा धर्मी सेवक अपने ज्ञान से बहुतों को धर्मी ठहराएगा।” क्या वह ज्ञान नौकर के पास है, “अपने ज्ञान से”? या क्या यह नौकर के बारे में वह ज्ञान है जो दूसरों के पास है? दूसरे शब्दों में, यह उद्देश्य बनाम व्यक्तिपरक संबंधकारक का प्रश्न है। मुझे लगता है कि सबसे अधिक संभावना यह है कि ‘उसके’ को व्यक्तिपरक संबंधकारक के बजाय एक उद्देश्य के रूप में लिया जाना चाहिए। तो वाक्यांश का अर्थ है, “उसके बारे में ज्ञान से,” *उसने जो* किया उसके बारे में यह *उनका* ज्ञान है। उनके पास जो ज्ञान है, उसके द्वारा सेवक बहुतों को धर्मी घोषित करेंगे।

यशायाह 53:12 वह यशायाह 53 के अंतिम पद से विजयी होगा: “इस कारण मैं उसे बड़े लोगों के साथ भाग बांटूंगा, और वह अपनी लूट को सामर्थियों के साथ बांटेगा।” फिर आपको कई सारांश कथन मिलते हैं “क्योंकि उसने अपनी आत्मा को मृत्यु के लिये उण्डेल दिया है।” वह अपराधियों के साथ गिना गया। उसने बहुतों का पाप सह लिया और अपराधियों के लिये प्रार्थना की।” मुझे लगता है कि अंतिम वाक्यांश बिल्कुल स्पष्ट हैं: उन विचारों की पुनरावृत्ति है जो पहले ही अध्याय में व्यक्त किए जा चुके हैं।

कविता का पहला भाग वह है जिसे समझने में अक्सर कठिनाई होती है। “इसलिये मैं उसको अमीरों के संग भाग बांटूंगा, और वह लूट को सामर्थियों के संग बांटेगा।” अपने उद्धरणों के पृष्ठ 29 को देखें; मैं इसे उसी तरह पढ़ने को इच्छुक हूँ जिस तरह अलेक्जेंडर अपनी टिप्पणी में सुझाता है। अलेक्जेंडर कहते हैं, “इसलिए, केल्विन, गेसेनियस और इवाल्ल द्वारा स्वीकृत सामान्य निर्माण को अपनाना बेहतर है, जो उसे सबसे महान विजेताओं के बराबर वर्णित करता है।” दूसरे शब्दों में, आपके यहां एक मुहावरा है जिसमें नौकर को विजेता के रूप में चित्रित किया गया है। “यदि यह पर्याप्त नहीं है, या यदि भावना कमजोर है, जैसा कि मार्टिनी ने आरोप लगाया है, तो यह दुभाषिया की गलती नहीं है, जिसे जबरन निर्माण के माध्यम से अपने लेखक की अभिव्यक्ति को मजबूत करने का कोई अधिकार नहीं है।” यहाँ अलेक्जेंडर का सुझाव है, “पहले खंड का सरल अर्थ यह है कि वह विजयी होगा; ऐसा नहीं कि दूसरे लोग उसकी जीत में भागीदार होंगे।” आप जानते हैं कि

जब यह कहा जाता है कि "वह लूट का माल बलवानों के साथ बाँट देगा," तो इसका सीधा-सा मतलब यह है कि "वह विजयी होगा; वह विजयी होगा।" ऐसा नहीं है कि अन्य लोग उसकी जीत में भागीदार होंगे, बल्कि यह कि वह अपने उद्यम में उतने ही शानदार ढंग से सफल होगा जितना अन्य विजेता कभी अपने उद्यम में थे।" आपको अक्सर उन दुभाषियों से प्रश्न मिलता है जो इसे अधिक विस्तृत शाब्दिक तरीके से लेने का प्रयास करते हैं। वे पूछते हैं: वह कौन बलवान है जिसके साथ वह अपनी लूट बाँटने जा रहा है? और आप उस पर तरह-तरह की चर्चाओं में पड़ जाते हैं। अलेक्जेंडर ने यह कहकर इसे टाल दिया, "पद्य बारह के पहले खंड में इस्तेमाल की गई कल्पना बस यह है कि मसीह उस कार्य में सफल और विजयी होने जा रहा है जो उसे करने के लिए दिया गया है, और जो कल्पना का उपयोग किया गया है वह एक विजेता नेता की है या राजा. सरल विचार यह है कि वह विजयी है।

यशायाह 53 एक महान अध्याय है। यह हमें, जैसा कि मैंने बताया, सेवक परिच्छेद के अंत तक लाता है। इस बिंदु से आपने बहुवचन में "नौकर" के बारे में पढ़ा, लेकिन एकवचन में "नौकर" के बारे में नहीं पढ़ा। आगे हम नौकर के काम के परिणामों को देखेंगे। मध्यावधि के बाद मैं संभवतः यशायाह 54, 55, और 56 को पूरा करने पर एक सत्र बिताऊंगा।

ब्रांडी हॉल द्वारा प्रतिलेखित  
 कार्ली गीमन द्वारा रफ संपादित  
 टेड हिल्डेब्रांट द्वारा संपादित  
 डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा अंतिम संपादन  
 डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा पुनर्वाचित